Sixteenth Loksabha

an>

Title: Motion regarding 54th Report of Business Advisory Committee (Motion Adopted).

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनंत कुमार) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं निम्नलिखित प्रस्ताव पेश करता हूं:-

"कि यह सभा 19 जुलाई 2018 को सभा में प्रस्तुत कार्य मंत्रणा समिति के 54वें प्रतिवेदन से सहमत है। "

HON. SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Fifty-fourth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 19th July, 2018."

The motion was adopted.

11 05 hrs

MOTION OF NO CONFIDENCE IN COUNCIL OF MINISTERS

माननीय अध्यक्ष : अब हम मोशन ऑफ नो कांफिडेंस चर्चा के लिए लेंगे। साधारणत: हमने इसको 6 बजे समाप्त करना है। आज ही इसको समाप्त करना है। अभी मैं 6 बजे का समय इसकी वोटिंग के लिए डिक्लेअर कर रही हूं और यदि सभा की सहमति हो तो हम लंच भी स्किप करेंगे। आज लंच नहीं करेंगे। जो पार्टीज को समय दिया है, वह आप सबको और जैसा कि आपको मालूम है, प्रत्येक को अवगत कराया है। मेरी आप सबसे रिक्वैस्ट है कि हम कोशिश करें कि हम उसी लिमिट में अपना भाषण करें। हम लोग

दूसरी लिमिट में भी रहेंगे तो मुझे ज्यादा इंटरवीन नहीं करना पड़ेगा और हम अत्यंत शांति से आज की चर्चा कर सकेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : हम सभी लोग मिलकर डेलीगेशन सहित आपके पास आए थे। हमने आपसे यही रिक्वैस्ट की थी कि हर पार्टी को आपने जो समय अलॉट किया है, कांग्रेस को 38 मिनट, टीएमसी को 38 मिनट और कम्युनिस्ट्स को 7 मिनट, आरजेड़ी को 1-2 मिनट दिया है। …(व्यवधान) We are talking on behalf of you but still you are disturbing.

Madam Speaker, this is a very important Motion. People are looking forward, throughout the country, to what we are going to speak and what would be the response of the Government. Therefore, I would request you not to put a limitation of time. There are so many precedents in this House when the No Confidence Motion had been discussed for one day, for two days and even for three days. Therefore, if you sum up the entire Motion within five hours, it will not be possible to justify the discussion.

माननीय अध्यक्ष : मैं आपकी बात समझ गई हूं । इतना नहीं बोलते ।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Bhartruhari Ji, do you want to speak on this issue?

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam, I am on a different issue.

Madam, the issue is relating to the No Confidence Motion that is under consideration of the House today. During the last 14 years, Biju Janata Dal has witnessed that the UPA Government's rule of ten years and four years of NDA has done injustice to the people of Odisha. So, this discussion will not be in any way fruitful for the people of Odisha. Therefore, we are walking out. We are not participating in this discussion … (*Interruptions*).

11 08 hrs

At this stage, Shri Bhartruhari Mahtab and some other hon. Members left the House.

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Madam, the core of Parliament is the Opposition. This is a well-accepted principle all over the world. In that case, the Opposition should be given more time than the Ruling Party. Therefore, you must allocate more time to the Opposition.

श्री अनंत कुमार : माननीय अध्यक्ष जी, श्री खड़गे जी एक बहुत अनुभवी सांसद हैं, लेकिन कई ऐसे उदाहरण हैं कि हमने एक दिन में चर्चा सम्पन्न की है। मैं सभी आंकड़े पेश नहीं करना चाहता हूं लेकिन वन डे क्रिकेट के जमाने में 5 दिन का टैस्ट खेलना ठीक नहीं है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप इस पर समय बर्बाद न करें। आप सभी बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्रिकेट की कोई बात नहीं है। आप बैठ जाइए ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आप सभी को एक बात बताना चाहती हूं।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing, other than what I am saying, will go on record.

...(Interruptions)... *

माननीय अध्यक्ष : मैं जो बात बोलूंगी, केवल वही रिकॉर्ड में जाएगा।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : चन्दूमाजरा जी, आप बैठ जाइए, कोई नहीं बोलेंगे।

…(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना): अध्यक्ष महोदया, …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात रिकॉर्ड में नहीं जा रही है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने खड़गे जी की बात सुनी, आपकी बात सुनी एवं सभी पार्टी के माननीय सांसदों की बात सुनी है। मेरा सिर्फ इतना ही कहना है कि आपने अपना कोई समय सीमा नहीं बांधा है, वह तो केवल भगवान कह सकता है – अनादि मी, अननंत मी। हम अनंत तक नहीं जा सकते हैं। कहीं न कहीं समय-सीमा होनी चाहिए। हम ने आपकी बात ध्यान में रखी है, कैसे आप ज्यादा समय चुरा लेते हैं। हम उसे देख लेंगे। यह कोई चर्चा का विषय नहीं है।

…(व्यवधान)

SHRI KESINENI SRINIVAS (VIJAYAWADA): I beg to move:

> "That this House expresses its want of confidence in the Council of Ministers."

HON. SPEAKER: Motion moved:

> "That this House expresses its want of confidence in the Council of Ministers."

… (*Interruptions*)